www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 सड़क के कुत्तों को डॉग शेल्टर होम में रखने...

3 इंद्री में हर घर तिरंगा रैली और 'एक पेड़ मां के नाम'...

4 स्वतंत्रता दिवस समारोह के जिला स्तरीय...

वर्ष: 9 | अंक: 291 | दिल्ली, गुरुवार, 14 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी, पुलिस ने तीर्थयात्रियों को सोनप्रयाग में रोका

उत्तराखंड (एजेन्सी)। उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी के कारण बुधवार को केदारनाथ यात्रा तीन दिनों के लिए रोक दी गई है। तीर्थयात्रियों को सोनप्रयाग और जवाड़ी पुलिस चौकियों पर बैरिकेड्स लगाकर आगे बढ़ने से रोका जा रहा है। जिला प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर 12 अगस्त से 15 अगस्त तक यात्रा बंद कर दी थी। जब लगभग 100-150 तीर्थयात्रियों ने सोनप्रयाग में बैरिकेड्स को जबरन तोड़ने की कोशिश की, तो पुलिस ने हस्तक्षेप किया और बिना किसी बड़ी घटना के उन्हें रोक दिया। रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने पुष्टि की कि स्थिति बिना किसी समस्या के नियंत्रण में आ गई। रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने कहा कि आज सुबह लगभग 100-150 तीर्थयात्री सोनप्रयाग पहुँचे और उन्होंने सोनप्रयाग में पुलिस से बहस करके आगे बढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोक दिया और आगे नहीं जाने दिया। इस मामले में किसी के साथ कोई घटना नहीं हुई है। उन्होंने कहा, "जब वे निर्देश के बावजूद ज़िद पर अड़े रहे, तो पुलिस को उन्हें तितर-बितर करने के लिए कार्रवाई करनी पड़ी।" यह घटना सोनप्रयाग में रुद्रप्रयाग पुलिस और तीर्थयात्रियों के बीच हुई झड़प का एक वीडियो वायरल होने के बाद हुई है।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव की तारीखों का ऐलान

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए चुनाव 18 सितंबर को होंगे। विश्वविद्यालय ने बुधवार को इसकी घोषणा की। मतगणना 19 सितंबर को होगी। उच्च की एक अधिसूचना के अनुसार, दिन की कक्षाओं के लिए मतदान सुबह 8:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा, जबकि शाम की कक्षाओं के छात्र दोपहर 3 बजे से शाम 7:30 बजे तक मतदान कर सकेंगे। नामांकन पत्र, 500 रुपये के वार्षिक शुल्क और एक लाख रुपये के बांड के साथ प्राप्त करने की अंतिम तिथि 10 सितंबर दोपहर 3 बजे तक है।

सौरभ भारद्वाज ने चुनाव आयोग पर लगाया पक्षपात का आरोप

नई दिल्ली (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी (आप) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को भारत के चुनाव आयोग पर निशाना साधा और उस पर उल्टा चोर कोतवाल को डाटे जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया। यह एक हिंदी मुहावरा है जिसका अर्थ है कि आरोपी, आरोप लगाने वाले पर ही दोष मढ़ रहा है। उनकी यह टिप्पणी राजद नेता तेजस्वी यादव के उस आरोप के बाद आई है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर बिहार में मतदाता सूची में हेरफेर करने के लिए अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को दो मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर जारी कर रहा है। एएनआई से बात करते हुए, आप नेता ने कहा कि चुनाव आयोग जिस तरह से अभी व्यवहार कर रहा है, वह 'चोर कोतवाल को डांटे' जैसा है।" जो लोग अब तक चुनाव आयोग को निष्पक्ष समझते थे, अब उन्हें लग रहा है कि उनका व्यवहार किसी राजनीतिक दल की युवा शाखा जैसा है। हम, अरविंद केजरीवाल और आतिशी, चुनाव आयोग को कई बार शिकायत पत्र लिख चुके हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने क्या किया? कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इससे पहले आज, तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर बिहार में मतदाता सूची में हेरफेर कर रहा है और अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को दो मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर जारी कर रहा है।

सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री और व्यापार एवं उद्योग मंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री एवं व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री श्री गान किम योंग के नेतृत्व में सिंगापुर के एक मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने (13 अगस्त, 2025) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। यह प्रतिनिधिमंडल भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) की तीसरी बैठक के लिए दिल्ली में है। राष्ट्रपति भवन में प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि अनिश्चित वैश्विक परिवेश में भी, भारत और सिंगापुर के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी फल-फूल रही है। उन्होंने इस वर्ष के आरंभ में, हमारे द्विपक्षीय संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर, राष्ट्रपति श्री थर्मन षणमुगरत्नम की राजकीय यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा कि आईएसएमआर सहित उच्चतम स्तरों पर

इस तरह की नियमित बातचीत हमारे बहुआयामी संबंधों को निरंतर गति प्रदान करेगी।

राष्ट्रपति ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ सिंगापुर के मजबूत रुख की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि सिंगापुर भारत की एक्ट ईस्ट नीति, महासागर विजन और हिंद-प्रशांत विजन में एक प्रमुख साझेदार है।

व्यापार, निवेश, रक्षा, संस्कृति, शिक्षा और लोगों के बीच आदान-प्रदान के क्षेत्रों में हमारी मजबूत साझेदारियां हैं। उन्होंने कहा कि यह संतोष की बात है कि यह साझेदारी अब कौशल विकास, हरित अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रौद्योगिकी जैसे सहयोग के उभरते क्षेत्रों में भी विस्तारित हो रही है।

तिरंगा हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का साक्षी है, इसकी शान कभी झुकेगी नहीं: रेखा गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। भारत मंडपम में आयोजित 'हर घर तिरंगा' संगीत समारोह में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने देश के प्रति सम्मान, प्रेम और समर्पण की भावना प्रकट की। उन्होंने कहा कि सैकड़ों की संख्या में राजधानी के नागरिक इस उत्सव में देशभक्ति की भावना के साथ सम्मिलित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि स्वतंत्रता के प्रति अपने भाव को कुछ शब्दों में व्यक्त करना हो तो यही कहना चाहूंगी कि तन समर्पित, मन समर्पित और यह जीवन समर्पित। मुख्यमंत्री ने देश के लिए और अधिक योगदान देने की अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि जीवन में हमें और अवसर प्राप्त हों ताकि हम राष्ट्र की सेवा कर सकें। मुख्यमंत्री गुप्ता ने यह भी कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को केवल अपने अधिकारों की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि अपने कर्तव्यों का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अवसर हमें यही याद दिलाता है कि देश के प्रति हमारी निष्ठा, त्याग और सेवा ही सबसे बड़ा सौभाग्य है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सभी को यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि तिरंगे की शान कभी झुकेगी नहीं और भारत की संस्कृति, विरासत तथा विकास यात्रा को आगे बढ़ाते हुए हर भारतवासी के हृदय में केसरी का साहस, सफेद की शांति

और हरे का समृद्ध भविष्य सदैव लहराता रहेगा। मुख्यमंत्री ने 15 अगस्त 1947 के ऐतिहासिक क्षण को स्मरण करते हुए कहा कि तिरंगा हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का साक्षी और भविष्य के भारत का वादा था।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानियों की अमर पंक्ति सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है का उल्लेख कर उपस्थित जनों को प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कि 'हर घर तिरंगा' अभियान और भारत मंडपम के इस तिरंगा कॉन्सर्ट में वही जज्बा नए युग में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर उन्होंने लोकप्रिय गायक शान का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनें यहां मौजूद हर दिल को एक साथ धड़कने पर विवश कर देंगी। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि तिरंगे की असली ताकत उसके धागों में नहीं, बल्कि उसमें निहित उस भावना में है जो हमें एकजुट करती है और हर चुनौती का सामना करने का साहस देती है। उन्होंने उल्लेख किया कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सीमाओं की रक्षा, विज्ञान और खेल की उपलब्धियों तक, हर मोड़ पर तिरंगा हमारे साहस और एकता का प्रतीक रहा है। मुख्यमंत्री ने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को अभिवादन करते हुए कहा कि उनके अटूट संकल्प और दूरदृष्टि के कारण आज पूरा देश स्वतंत्रता दिवस को अभूतपूर्व उत्साह और राष्ट्रीय एकजुटता के साथ मना रहा है।

प्रधानमंत्री ने राजनीति से ऊपर उठकर पूरे देश को एक राष्ट्रभाव में जोड़ा है, साथ ही भारत को आर्थिक महाशक्ति और सांस्कृतिक महिमा के साथ विश्व मंच पर पुनः स्थापित किया है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत हरियाणा को नशा मुक्त करना सरकार का कृतसंकल्प: नायब सिंह सैनी

पांच वर्षों में नशा मुक्त भारत अभियान बना जागरूकता और सामाजिक भागीदारी का जन आंदोलन

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है, जिसमें युवाओं, महिलाओं, बच्चों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों, संत-महात्माओं और सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जब युवा शक्ति नशे की गिरफ्त से मुक्त होगी, तब भारत को निश्चित तौर पर विकसित राष्ट्र बनने से कोई ताकत नहीं रोक सकती।

मुख्यमंत्री पंचकूला में नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि पूरे हरियाणा में जिला स्तर पर भी नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और लगभग 3 लाख लोगों ने इन जिला स्तरीय कार्यक्रमों में नशा मुक्ति की शपथ ली।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर पांच वर्ष पहले 15 अगस्त, 2020 को भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 'नशा मुक्त भारत अभियान' की शुरूआत की गई थी। इस अभियान का उद्देश्य देश को एक स्वस्थ, समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करना तथा लोगों को नशे के

विरुद्ध जागरूक और एकजुट करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हरियाणा को भी नशा मुक्त करने का संकल्प लिया है, जिसके तहत पिछले दिनों साइक्लोथॉन का भी आयोजन किया गया, जिसमें लाखों की संख्या में युवाओं ने भाग लिया और नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। नशा मुक्त भारत अभियान ने नशे के खिलाफ एक व्यापक जन-आंदोलन खड़ा किया है। इस आंदोलन से युवा, महिलाएं, बच्चे, शिक्षण संस्थाएं और स्वयंसेवी संस्थाएं जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने में संत-महात्मा और खाप पंचायतें भी अपना सहयोग व समर्थन दे रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने दुनिया को अपनी सामरिक शक्ति का परिचय दिया है। खेलों के क्षेत्र में हमारे युवा बड़ी कामयाबी हासिल कर रहे हैं। हमारा देश कई मामलों में आत्मनिर्भर हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने का लक्ष्य रखा है। विकास की इस रफ्तार में राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हरियाणा भी विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति को बनाए रखने और इसे बढ़ाने के लिए हमें युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें रचनात्मक कार्य में लगाना होगा। इस अभियान को शुरू करने का मूल उद्देश्य भी यही है। इस अभियान ने पिछले पांच वर्षों में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने व समाज को नशे की बुरी आदतों से मुक्त करने की प्रेरणादायक यात्रा तय की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार नशे के खिलाफ कानून बनाती है और दोषियों को सख्त से सख्त सजा देती है। नशे पर पूर्ण रोकथाम लगाने के लिए सरकार ने पंचकूला में 7 राज्यों के साथ मिलकर एक अंतरराज्यीय सचिवालय स्थापित किया है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर दिल्ली के ग्रीन कवर और वायु गुणवत्ता को बेहतर रखने की दिशा में उठाया कदम

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में 1 से 31 अगस्त तक चल रहे स्वच्छता माह के तहत, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आज राजौरी गार्डन के मीरा एन्क्लेव में दिल्ली को कूड़े से आजादी सफाई अभियान का नेतृत्व किया। उन्होंने खुद सड़क साफ की और कूड़ा उठाया, और स्थानीय लोगों को अपने आस-पास की सफाई के लिए प्रेरित किया।

मैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने स्वच्छता माह अभियान की शुरूआत की और हम सबको अपने-अपने क्षेत्रों में इसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर मुझे और अन्य साथियों को टैग किया, जिसके बाद मैंने मीरा एन्क्लेव में निवासियों के साथ मिलकर सड़क साफ की, क्योंकि असली बदलाव तभी आता है जब पूरा समुदाय एकजुट होकर आगे बढ़ता है। मैं हर दिल्लीवासी से अपील करता हूं-अपने आस-पास साफ-सफाई रखें, दिल्ली को कूड़े से आजादी मिशन से जुड़ें और दूसरों को भी प्रेरित करें। उन्होंने आगे कहा कि स्वच्छ दिल्ली-सुंदर दिल्ली हमारा मिशन है। विकास और सफाई, दोनों को साथ लेकर चलना जरूरी है ताकि दिल्ली और अधिक सुंदर

बन सके। जब हम खुद पहल करते हैं, तभी स्थायी बदलाव संभव है।

सफाई अभियान के साथ ही, सिरसा ने संत नगर एक्सटेंशन (गली नंबर 5) में सड़क निर्माण और पुनर्विकास कार्य की शुरूआत की, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर सड़क सुविधा, सुरक्षा और सुविधा मिलेगी।

मंत्री ने मीरा एन्क्लेव में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। यह सरकार के सालभर में 70 लाख पेड़ लगाने के लक्ष्य का हिस्सा है, जिससे दिल्ली की हरियाली बढ़ेगी, जैव-विविधता को मजबूती मिलेगी और वायु गुणवत्ता में सुधार होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के विजन से प्रेरित यह पहल, दिल्ली के पर्यावरण को सुरक्षित रखने, प्रदूषण से लड़ने और जलवायु परिवर्तन के असर को कम करने की बहु-स्तरीय रणनीति का हिस्सा है। सिरसा ने स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर नागरिक और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की और भरोसा दिलाया कि हर गली और मोहल्ले का विकास और पर्यावरण संरक्षण एक साथ किया जाएगा।

हरियाणा के स्किल्ड वर्कर्स को गो ग्लोबल मिशन के तहत मिलेंगे रोजगार के अंतरराष्ट्रीय अवसर: नायब सिंह सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में स्किल्ड वर्कर्स की कोई कमी नहीं है। हमारा प्रयास है कि ये युवा पक्के और सुरक्षित तरीके से विदेश जाएं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त हों। इसके लिए राज्य सरकार हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से पारदर्शी और भरोसेमंद भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का गो ग्लोबल दृष्टिकोण युवाओं को अंतरराष्ट्रीय रोजगार बाजार में नई दिशा प्रदान करेगा और राज्य की आर्थिक प्रगति को गति देगा। मुख्यमंत्री ने सभी स्टेकहोल्डर्स से मिलकर डंकी रूट जैसी अवैध गतिविधियों पर सख्त लगाम लगाने और सही दिशा में समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग द्वारा हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक का उद्देश्य राज्य के युवाओं के लिए विदेशों में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की रणनीति तैयार करना था।

बैठक में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और विभिन्न विदेशी प्लेसमेंट कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस बैठक में लगभग 20 भर्ती एजेंसियों ने भाग लिया।

विदेश सहयोग विभाग में मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री पवन चौधरी ने बैठक में विभाग की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि युवाओं को विदेश भेजने के लिए अब तक कई प्रभावी पहल की गई हैं। इन पहलों के तहत युवाओं को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से अंतरराष्ट्रीय रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, बल्कि उन्हें आवश्यक कौशल, भाषा प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करने के लिए विशेष कार्यक्रम भी शुरू किए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से 5700 रिक्तियां ऑनलाइन जारी की हैं, जिन पर हरियाणा के युवा अपनी योग्यता के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। इन रिक्तियों के माध्यम से युवाओं को मॉरीशस, इजराइल, रूस, नॉर्वे, जर्मनी, दुबई और अन्य देशों में पारदर्शी तरीके से बिना खर्ची-पर्ची भेजने की व्यवस्था सरकार द्वारा की गई है।

इस अवसर पर उद्योग, वाणिज्य एवं वन-पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह, मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सचिव श्री ए. के. चटर्जी, विदेश मंत्रालय की सचिव श्रीमती नीना मल्होत्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा रिक्रूटिंग एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में पास हुआ बांके बिहारी मंदिर न्यास विधेयक

(एजेन्सी)।

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन 'बांके बिहारी मंदिर न्यास विधेयक' पेश किया गया और पारित कर दिया गया। इसका उद्देश्य ऐतिहासिक मंदिर के प्रबंधन को संस्थागत रूप देना और उसकी सदियों पुरानी परंपराओं को संरक्षित करना है। सरकार का कहना है कि नया न्यास संत-स्वामी हरिदास द्वारा स्थापित परंपराओं की रक्षा करते हुए श्रद्धालुओं के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएँ सुनिश्चित करेगा। विधेयक के अलावा, 13 अगस्त को सुबह 11 बजे 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश' विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर 24 घंटे की चर्चा शुरू हुई, जिसमें सरकार विभागीय उपलब्धियों और विजन योजनाओं का विवरण प्रस्तुत कर रही है, जबकि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है।

सभी चढ़ावे और संपत्तियाँ ट्रस्ट के नियंत्रण में होंगी: मंदिर परिसर में मूर्तियाँ और संपत्ति।

देवताओं को दिए गए उपहार और चढ़ावे। किसी भी अनुष्ठान, समारोह, धार्मिक आयोजनों के लिए दी गई संपत्तियाँ। मौद्रिक दान-चाहे नकद, चेक,

डिमांड ड्राफ्ट, या डाक या टेलीग्राफ द्वारा भेजा गया हो।

आभूषण, अनुदान, अंशदान और हुंडियाँ।

संक्षेप में, श्री बांके बिहारी जी मंदिर की सभी चल-अचल संपत्तियाँ, ट्रस्ट के प्रबंधन के अधीन मानी जाएँगी।

स्वामी हरिदास की परंपराएँ यथावत जारी रहेंगी-विधेयक इस बात पर जोर देता है कि इस ट्रस्ट का गठन स्वामी हरिदास द्वारा शुरू की गई परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है, जिन्हें मंदिर की भक्ति परंपराओं की स्थापना का श्रेय दिया जाता है। सभी रीति-रिवाज, त्योहार और अनुष्ठान बिना किसी हस्तक्षेप या बदलाव के जारी रहेंगे।

श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाएँ-एक बार गठन हो जाने पर, बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट तीर्थयात्रियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएँ विकसित करेगा, जैसे-**व्यवस्थित प्रसाद वितरण**

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए अलग दर्शन मार्ग

पेयजल सुविधाएँ: आराम के लिए बेंच, आसान पहुँच और कतार प्रबंधन कियोस्क। गौशालाएँ, सामुदायिक भोजन कक्ष (अन्नक्षेत्र), विशाल रसोईघर। होटल, गेस्टहाउस, प्रदर्शनी हॉल, रेस्टोरेंट और प्रतीक्षालय।

ट्रस्ट की संरचना: ट्रस्ट में 11 मनोनीत सदस्य और 7 पदेन सदस्य होंगे।

सम्पादकीय

इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक है 1947 का भारत-विभाजन

1947 का भारत-विभाजन इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक है। लाखों लोग अपने घर-परिवार, जमीन-जायदाद छोड़ने पर मजबूर हुए, लाखों लोगों की हत्या हुई और करोड़ों लोग विस्थापन की त्रासदी से जूझे। यह केवल एक भू-राजनीतिक घटना नहीं थी, बल्कि एक स्थायी घाव था, जो आज भी भारत के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक ताने-बाने को प्रभावित करता है। कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं ने अंग्रेजों द्वारा पेश किए गए विभाजन के प्रस्ताव को स्वीकार कर ऐतिहासिक भूल की थी जिसकी भरपाई आज भी समस्त भारतीय कर रहे हैं। हालांकि कई इतिहासकार तत्कालीन परिस्थितियों में विभाजन के प्रस्ताव को स्वीकार करने को 'व्यावहारिक समाधान' बताते हैं, लेकिन इसके आलोचक मानते हैं कि यह एक ऐसी रणनीतिक गलती थी, जिसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी है। उस समय की परिस्थितियों पर गौर करें तो उभर कर आता है कि 1940 के दशक के अंत में भारत की राजनीतिक स्थिति बेहद अस्थिर थी। मुस्लिम लीग, मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में, 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' पर अड़ी हुई थी-यानी हिंदू और मुस्लिम अलग-अलग राष्ट्र हैं और साथ नहीं रह सकते। अंग्रेज, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कमजोर हो चुके थे और जल्द-से-जल्द भारत छोड़ना चाहते थे। वह एकीकृत भारत छोड़ने की बजाय "बंटा हुआ भारत" छोड़ने में ज्यादा सहज थे, क्योंकि इससे भविष्य में उनके सामरिक हित साधे जा सकते थे। कांग्रेस नेतृत्व, खासकर जवाहर लाल नेहरू लगातार सांप्रदायिक हिंसा, दंगे और मुस्लिम लीग के साथ गतिरोध से थक चुके थे। उनके लिए विभाजन, भले ही दर्दनाक था, लेकिन तत्काल स्थिरता का एक साधन लग रहा था। देखा जाए तो विभाजन स्वीकार करना, जिन्ना के इस तर्क को अप्रत्यक्ष रूप से वैध ठहराना था कि हिंदू और मुस्लिम एक साथ नहीं रह सकते। इससे न केवल भारत की धर्मनिरपेक्षता को झटका लगा, बल्कि यह तर्क बाद के दशकों में पाकिस्तान के भारत-विरोधी नैरेटिव की जड़ बन गया। साथ ही पाकिस्तान बनने से भारत का भू-राजनीतिक नक्शा बदल गया। पश्चिम में पाकिस्तान और पूर्व में (1971 तक) पूर्वी पाकिस्तान की मौजूदगी ने भारत को दो मोर्चों पर रक्षा की चुनौती में झोंक दिया। इसके साथ ही विभाजन के साथ ही कश्मीर का मुद्दा सामने आया। अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान के कबायली हमले ने इस विवाद को जन्म दिया, जो आज तक भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है। इसके अलावा, पाकिस्तान की स्थापना ने भारत की पश्चिमी सीमा पर एक स्थायी शत्रु पैदा कर दिया। चार बड़े युद्ध (1947, 1965, 1971, 1999) और लगातार सीमा पार आतंकवाद इस गलती की प्रत्यक्ष कीमत हैं। इसके अलावा, विभाजन से उपजी समस्याएं आज भी भारत को परेशान कर रही हैं उनमें सीमा पार आतंकवाद सबसे बड़ी चुनौती है। दरअसल पाकिस्तान की सुरक्षा नीति का केंद्र भारत को अस्थिर करना है। इसके साथ ही भारत का रक्षा बजट हर साल बढ़ता जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान से खतरा हमेशा बना हुआ है। यह खर्च शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में निवेश को सीमित करता है। अगर पाकिस्तान नहीं बना होता, तो यह पैसा विकास कार्यों में लगाया जा सकता था। इसके अलावा, विभाजन ने हिंदू-मुस्लिम अविश्वास की खाई गहरी की। आज भी चुनावी राजनीति में पाकिस्तान का हवाला देकर वोट बैंक प्रभावित करने की कोशिश होती है। यह सामाजिक एकता के लिए एक बड़ी चुनौती है। साथ ही, अगर विभाजन न हुआ होता, तो भारत के पास अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधी जमीनी पहुंच होती। आज पाकिस्तान के कारण यह संपर्क टूट चुका है और भारत क्षेत्रीय व्यापारिक ब्लॉकों में भी पीछे है। इसके अलावा, 1947 में करोड़ों लोगों का पलायन हुआ, जिसमें हिंसा, बलात्कार, लूटपाट और सामूहिक हत्याएं हुईं। इन घावों की स्मृति पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है, जिसने सामुदायिक रिश्तों में तनाव बनाए रखा है। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि अगर कांग्रेस नेतृत्व विशेषकर नेहरू ब्रिटिश हड़बड़ी और मुस्लिम लीग की ज़िद के सामने कुछ और समय तक टिका रहते तो पाकिस्तान का गठन रोका जा सकता था। वहीं कुछ अन्य कहते हैं कि तत्कालीन हिंसक माहौल, ब्रिटिश समय-सीमा और विभाजन-रोधी ताकतों की कमजोर स्थिति को देखते हुए यह बात पक्के तौर पर नहीं कही जा सकती कि विभाजन को रोका जा सकता था। देखा जाये तो कांग्रेस द्वारा विभाजन स्वीकारना तत्कालीन हालात में समाधान की तरह दिख रहा था, लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम भारत के लिए बेहद महंगे साबित हुए। यह निर्णय केवल सीमाओं का नहीं, बल्कि भरोसे, विकास और सामाजिक सौहार्द का भी बंटवारा था। आज 78 साल बाद भी, भारत पाकिस्तान-जनित चुनौतियों-कश्मीर विवाद, सीमा पार आतंकवाद, रक्षा बोझ और साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण से जूझ रहा है।

जयंती

कुलदीप नैयर

जन्म: 14 अगस्त 1924; मृत्यु-23 अगस्त, 2018, दिल्ली) भारत के प्रसिद्ध लेखक एवं पत्रकार थे। भारत सरकार के प्रेस सूचना अधिकारी के पद पर कई वर्षों तक कार्य करने के बाद वे यू. एन. आई, पी. आई. बी. 'द स्टैट्समैन', 'इण्डियन एक्सप्रेस' के साथ लम्बे समय तक जुड़े रहे। कुलदीप नैयर 25 वर्षों तक 'द टाइम्स' लन्दन के संवाददाता भी रहे।

पुण्यतिथि

खाशाबा जाधव

जन्म-15 जनवरी, 1926, महाराष्ट्र; मृत्यु-14 अगस्त, 1984) भारत के प्रसिद्ध कुश्ती खिलाड़ी थे। वे पहले भारतीय खिलाड़ी थे, जिन्होंने सन 1952 में हेलसिंकी ओलम्पिक, फि नलैण्ड में देश के लिए कुश्ती की व्यक्तिगत स्पर्धा में सबसे पहले कांस्य पदक जीता था। वैसे तो 1952 के हेलसिंकी ओलम्पिक में भारतीय हॉकी टीम ने फिर से स्वर्ण पदक हासिल किया था, लेकिन चर्चा सोने से अधिक उस कांस्य पदक की होती है, जिसे पहलवान खाशाबा जाधव ने जीता था। खाशाबा को पॉकेट डायनमो के नाम से भी जाना जाता है। भारत को ओलम्पिक का पदक दिलाने वाला यह खिलाड़ी बाद में गुमनाम बनकर रह गया।

कल मिलेंगे

एक महिला सुबह-सुबह बिस्तर से सीधे उठकर मेकअप कर रही थी
तभी पति की भी आंख खुल गई
पति-पगला गई हो क्या? सुबह-सुबह मेकअप...
पत्नी-चुपचाप लेटे रहो, मुझे अपना फोन खोलना है, फेस लॉक लगा दिया था, और अब वह मुझे पहचान नहीं रहा है...!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

सड़क के कुत्तों को डॉग शेल्टर होम में रखने के सुप्रीम आदेश के व्यवहारिक मायने दिलचस्प

-कमलेश पांडेय

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से पूछा है कि, क्या एनिमल एक्टिविस्ट और 'कथित पशु प्रेमी' उन बच्चों को वापस ला पाएंगे जो रेबीज का शिकार हो गए। बता दें कि कोर्ट ने गत 28 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेते हुए यह मामला उठाया था, जब एक रिपोर्ट में दिल्ली-एनसीआर में रेबीज के बढ़ते मामलों, बच्चों और बुजुर्गों की मौत पर चिंता जताई गई थी

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने गत सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के इलाकों से सड़क के कुत्तों को पकड़ने और उन्हें डॉग शेल्टर में रखने का निर्देश दिया है, उसके व्यवहारिक मायने दिलचस्प हैं, जबकि कतिपय नेताओं व पशु प्रेमियों ने इस सुप्रीम आदेश की सड़क छाप मुखालफत शुरू कर दी है। देखा जाए तो यह प्रेम या घृणा का मामला नहीं है, बल्कि वह सामाजिक न्यायिक पहल है जिससे सबका लोकतंत्र सुनिश्चित होता है। खासकर उन बच्चों-बुजुर्गों का जिन्हें इनसे सर्वाधिक खतरा रहता है। इसी भय से कई बार वे अकेले पार्क या पड़ोस में जाने से घबराते हैं।

दरअसल, कोर्ट ने ऐसा आदेश कुत्तों के काटने और रेबीज के खतरे के बढ़ने के मद्देनजर स्वतः संज्ञान लेते हुए उक्त आदेश दिया है। इसलिए वह आलोचना नहीं बल्कि बधाई का पात्र हैं। इससे मीडिया रिपोर्ट्स की गंभीरता और प्रासंगिकता भी परिपुष्ट हुई है। मेरी व्यक्तिगत राय है कि इसका दायरा बढ़ाकर इसमें बंदरों और उन जानलेवा आवारा जानवरों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए।

सच कहूं तो सभ्य समाज के लिए खतरा बनते जा रहे स्ट्रीट क्रिमिनल्स और स्ट्रीट बायस्ड पॉलिटिकल एक्टिविस्ट, जिनकी लोकल थानों व पुलिस चौकियों से सांठगांठ होती है, यदि इन जैसों के खिलाफ भी ऐसा ही सुप्रीम आदेश निर्गत हो जाए तो सभ्य समाज का भला हो जाएगा। क्योंकि कोई भी लोकतंत्र उन असभ्य लोगों को आजादी का अधिकार नहीं दे सकता, जो कि समाज के अन्य वर्गों के लिए खतरा बनते जा रहे हों। संभव है कि भविष्य में न्यायालय इन विडंबना भरे सामाजिक स्थितियों पर भी गौर करेगा और बेलगाम राजनीतिक व प्रशासनिक हुक्मरानों को समाज के प्रति उसी तरह से संवेदनशील बनाएगा, जैसा कि उसके ताजा निर्णयों से महसूस किया जाता है।

बताते चलें कि अपने आदेश में कोर्ट ने साफ कहा है कि सरकार, एमसीडी और एनडीएमसी को अगले 6-8 हफ्तों में शेल्टर रूम की शुरूआत करनी होगी, क्योंकि यहां स्थिति बेहद गंभीर है। लिहाजा, कुत्तों के काटने की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन को तुरंत एहतियाती कदम उठाने की जरूरत है। लगे हाथ कोर्ट ने पशु प्रेमियों को यह दो टूक चेतावनी भी दे दी है कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन इन आवारा कुत्तों को पकड़ने में बाधा डालेगा, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वाकई, कोर्ट ने साफ-साफ कहा है कि किसी भी कीमत पर शिशु और छोटे बच्चे रेबीज के शिकार नहीं होने चाहिए। उल्लेखनीय है कि जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने स्पष्ट कहा है कि इस कार्रवाई से लोगों में यह भरोसा पैदा होना चाहिए कि वे बिना डर के स्वतंत्र रूप से घूम सकें, बिना इस भय के कि कोई सड़क का कुत्ता उन्हें काट लेगा। इस प्रकार देखा जाए तो कोर्ट के फैसले की कुछ अन्य अहम बातें इस प्रकार हैं-

पहला, कोर्ट ने सड़क के कुत्तों को गोद लेने की दलील खारिज करते हुए स्पष्ट कहा है कि सड़क के कुत्ते अचानक पालतू नहीं बन सकते। इसलिए इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती है। दूसरा, मानव जीवन और सुरक्षा सबसे पहले है। इसलिए तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए। तीसरा, रोजाना पकड़े गए और शेल्टर में रखे गए कुत्तों का रेकॉर्ड बनाएं। चतुर्थ, एक सप्ताह के भीतर हेल्पलाइन बनाई जाए, ताकि कुत्ता-काटने के मामलों की रिपोर्ट हो सके।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से पूछा है कि, क्या एनिमल एक्टिविस्ट और 'कथित पशु प्रेमी' उन बच्चों को वापस ला पाएंगे जो रेबीज का शिकार हो गए। बता दें कि कोर्ट ने गत 28 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेते हुए यह मामला उठाया था, जब एक रिपोर्ट में दिल्ली-एनसीआर में रेबीज के बढ़ते मामलों, बच्चों और बुजुर्गों की मौत पर चिंता जताई गई थी। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में सड़क के कुत्तों को शेल्टर होम में भेजने के आदेश के एक दिन बाद, सुप्रीम कोर्ट ने एक और नया सर्कुलर जारी किया। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में बचे खाने को खुले में न फेंकें। उसे सिर्फ ढक्कन लगे कूड़ेदान में डालें, जिससे कि जानवरों के काटने की घटनाओं से बचा जा सके। सर्कुलर में इस मामले में नोटिस लिया गया कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में गलियारों और लिफ्ट के अंदर कुत्तों के घूमने की घटनाओं में 'काफी' बढ़त देखी गई है।

वहीं, यह सबकुछ करते हुए भी कोर्ट की भाषा विनम्र है और उसने विजिटर से भी निर्देश लागू करने में सहयोग मांगा है। जारी सर्कुलर में आगे कहा गया कि बचा हुआ सारा खाना सिर्फ कूड़ेदान में डाला जाए। किसी भी परिस्थिति में खुली जगह या बिना ढक्कन वाले बर्तनों में खाना नहीं फेंका जाना चाहिए। यह कदम जरूरी है, जिससे कि जानवरों (सड़क के कुत्तों) को खाने की गंध से आकर्षित होकर इधर-उधर घूमने से रोका जा सके। कोर्ट ने माना कि इससे काटने की घटनाओं का खतरा कम होगा और परिसर में साफ-सफाई भी बनी रहेगी। सभी आगंतुकों से इस निर्देश को लागू करने में सहयोग को कहा गया है।

बता दें कि यह सब एक स्वस्थ सामाजिक आचरण है, लेकिन जब शिक्षक व प्रशासकों ने अपनी जिम्मेदारी स्वतः न समझी और सामाजिक स्थिति बद से बदतर होती गई तो कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। उधर, कोर्ट के आदेश पर नेताओं का अलग-अलग नजरिया सामने आया है। सड़क के कुत्तों को शेल्टर होम भेजने के सुप्रीम आदेश के खिलाफ कई नेताओं, संगठनों और बॉलिवुड सितारों ने आवाज बुलंद की है। एक ओर जहां दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस फैसले पर साफ कहा है कि सरकार जल्द ही एक स्ट्रीट डॉग नीति लेकर आएगी और योजनाबद्ध तरीके से कोर्ट के आदेश को लागू करेगी, क्योंकि दिल्ली के लोग इससे तंग आ चुके हैं। इसलिए हम इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं, क्योंकि हम लोगों को राहत देना चाहते हैं। चूंकि सड़क के कुत्तों की समस्या विकराल रूप ले चुकी है, इसलिए हम एक नीति बनाएंगे और लोगों को राहत देंगे। वहीं, दूसरी ओर पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसला की आलोचना करते हुए कहा कि, 'हमें तो पहले से ही ऐसी ही उम्मीद थी। अब, अगर इस आदेश का पालन किया जाता है, तो दिल्ली में तीन लाख कुत्तों को पकड़कर केंद्रों में रखना होगा। दिल्ली सरकार को 1,000-2,000 शेल्टर रूम बनाने होंगे, क्योंकि बहुत सारे कुत्ते आपस में लड़ेंगे। उन्हें रोकने के माकूल प्रबंध करने होंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले में तार्किक सोच अभाव है। बीजेपी सांसद गांधी ने इस मामले में पीएम से हस्तक्षेप की अपील की।

जबकि कांग्रेस के नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल और प्रियंका गांधी ने कहा कि इन्हें हटाना क्रूरता है। तृणमूल कांग्रेस ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर इस आदेश पर फिर से विचार की मांग की। वहीं, जॉन अब्राहम ने कहा कि 'ये कम्युनिटी का हिस्सा है, जिनसे कई लोग लगाव रखते हैं, खासकर दिल्ली के लोग...नसबंदी से इनकी आबादी पर काबू पा सकते है। उल्लेखनीय है कि डॉग लवर्स ने मंगलवार को कनॉट प्लेस पहुंचकर कुत्तों को शेल्टर होम भेजने के फैसले पर नाराजगी जताई और इस सुप्रीम आदेश/ फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। पुनः बता दें कि गत सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली-एनसीआर के सभी सड़क के कुत्तों को 'यथाशीघ्र' स्थायी रूप से शेल्टर होम में ट्रांसफर किया जाए।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

उज्बेकिस्तान को करीब लाकर मोदी ने सारा खेल पलट दिया

-नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो भारत-उज्बेकिस्तान के रिश्ते गहरे होने से अंतरराष्ट्रीय समीकरणों में कई बदलाव संभव हैं। जैसे-मध्य एशिया में भारत की पकड़ मजबूत होगी। हम आपको बता दें कि यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से 'ग्रेट गेम' का केंद्र रहा है, जहां रूस, चीन, अमेरिका और अब तुर्की प्रभाव जमाने की कोशिश करते रहे हैं। इसके अलावा, उज्बेकिस्तान पर चीन का निवेश और आर्थिक प्रभाव बढ़ रहा है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उज्बेकिस्तान के साथ संबंध प्रगाढ़ करना केवल औपचारिक कूटनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि एक गहरी रणनीतिक चाल है। मध्य एशिया के इस प्रमुख देश के साथ निकटता बढ़ाकर भारत ने एक साथ कई मोर्चों पर लाभ उठाने की स्थिति बना ली है। सबसे पहले, उज्बेकिस्तान भारत के 'मध्य एशिया संपर्क' का केंद्रीय स्तंभ बन सकता है। अफगानिस्तान की अस्थिरता और पाकिस्तान के अवरोध के कारण भारत के लिए मध्य एशिया तक सीधा व्यापारिक और ऊर्जा मार्ग पाना मुश्किल रहा है। उज्बेकिस्तान के साथ मजबूत रिश्ते भारत को ईरान के चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के जरिये नए रास्ते खोलने का मौका देते हैं।

दूसरा, यह कदम चीन की 'Belt and Road Initiative' के दबदबे को संतुलित करने की कोशिश भी है। उज्बेकिस्तान, जो अब तक चीन और रूस के प्रभाव में रहा है, भारत के साथ साझेदारी से एक वैकल्पिक कूटनीतिक और आर्थिक सहारा पाएगा। तीसरा, आतंकवाद-रोधी सहयोग में भी यह रिश्ते अहम हैं। अफगानिस्तान के नजदीकी होने के कारण उज्बेकिस्तान क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरण में महत्वपूर्ण है। भारत के साथ मिलकर यह देश चरमपंथी नेटवर्क को कमजोर करने और स्थिरता लाने में योगदान दे सकता है। चौथा, यह पहल भारत को SCO (शंघाई सहयोग संगठन) जैसे बहुपक्षीय मंचों पर और प्रभावशाली बनाती है। उज्बेकिस्तान की मेजबानी और समर्थन के साथ भारत मध्य एशिया में राजनीतिक-सुरक्षा विमर्श को अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप ढाल सकता है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के बीच हुई टेलीफोन वार्ता ने भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों में नई ऊर्जा भर दी है। इस वार्ता को प्रधानमंत्री मोदी ने 'फलदायी' बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई और रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया गया। यह घटनाक्रम केवल एक औपचारिक बातचीत भर नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी सामरिक और आर्थिक निहितार्थ हैं, जो भारत, मध्य एशिया और वैश्विक भू-राजनीति को प्रभावित कर सकते हैं।

हम आपको बता दें कि उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में स्थित है और चारों ओर से भूमि से घिरा है। इसकी सीमाएँ अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, कजाखिस्तान और तुर्कमेनिस्तान से मिलती हैं। उज्बेकिस्तान, भारत को मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण 'कनेक्टिविटी नोड' के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा, उज्बेकिस्तान की अफगानिस्तान से सीमा होने के कारण भारत के लिए आतंकवाद-निरोधी सहयोग, क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा नीति में यह अहम भूमिका निभा सकता है। साथ ही उज्बेकिस्तान, शंघाई सहयोग संगठन का सदस्य है। यहां भारत की मजबूत उपस्थिति चीन और रूस के साथ संतुलन साधने में मदद कर सकती है।

इसके अलावा, उज्बेकिस्तान प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध है-विशेषकर सोना, यूरेनियम, गैस और कपास। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए विविधीकरण चाहता है। उज्बेकिस्तान के साथ गैस और यूरेनियम आपूर्ति के समझौते भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सहायक हो सकते हैं। इसके अलावा, औषधि, आईटी, कपड़ा और ऑटोमोबाइल सेक्टर में उज्बेकिस्तान एक उभरता हुआ बाजार है, जहाँ भारतीय कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़ सकती है। साथ ही चाबहार पोर्ट और अंतर्राष्ट्रीय नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के जरिए उज्बेकिस्तान को जोड़ना भारत के व्यापारिक हितों को तेजी से आगे बढ़ा सकता है। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग कई स्तरों पर हो रहा है-संयुक्त सैन्य अभ्यास, आतंकवाद-रोधी प्रशिक्षण और खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान। इसके अलावा, अफगानिस्तान में अस्थिरता और उग्रवादी नेटवर्क के चलते दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय शांति के लिए अहम है। साथ ही उज्बेकिस्तान भारतीय रक्षा तकनीक और प्रशिक्षण का लाभ उठा सकता है, जबकि भारत को मध्य एशिया में रणनीतिक पहुँच मिलती है।

देखा जाये तो भारत-उज्बेकिस्तान के रिश्ते गहरे होने से अंतरराष्ट्रीय समीकरणों में कई बदलाव संभव हैं। जैसे-मध्य एशिया में भारत की पकड़ मजबूत होगी। हम आपको बता दें कि यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से 'ग्रेट गेम' का केंद्र रहा है, जहां रूस, चीन, अमेरिका और अब तुर्की प्रभाव जमाने की कोशिश करते रहे हैं। इसके अलावा, उज्बेकिस्तान पर चीन का निवेश और आर्थिक प्रभाव बढ़ रहा है। भारत के साथ मजबूत साझेदारी इस प्रभाव को संतुलित कर सकती है। साथ ही उज्बेकिस्तान जैसे मुस्लिम-बहुल, लेकिन धर्मनिरपेक्ष झुकाव वाले देश के साथ करीबी रिश्ते भारत की वैश्विक छवि को मजबूती देते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और उज्बेकिस्तान का सांस्कृतिक रिश्ता बहुत पुराना है। समरकंद और बुखारा जैसे ऐतिहासिक शहर भारत के इतिहास में गहरे जुड़े हैं, चाहे वह बाबर का आगमन हो या सूफी परंपरा। साथ ही उज्बेक छात्रों के लिए भारतीय विश्वविद्यालय, विशेषकर मेडिकल और तकनीकी शिक्षा, एक आकर्षण हैं। इसके अलावा, बॉलीवुड फिल्मों की लोकप्रियता मध्य एशिया में भारत की सॉफ्ट पावर को और बढ़ाती है।

बहरहाल, भारत और उज्बेकिस्तान के संबंध केवल दो देशों के बीच व्यापार या रक्षा सहयोग तक सीमित नहीं हैं। यह साझेदारी मध्य एशिया की स्थिरता, भारत की ऊर्जा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी रणनीति और वैश्विक शक्ति संतुलन पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। सामरिक दृष्टि से, उज्बेकिस्तान भारत के लिए वह 'भू-राजनीतिक चौराहा' है, जहां से दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और यूरोप को जोड़ने वाले कई रास्ते निकलते हैं। यदि भारत इन रिश्तों को गहराई से विकसित करता है, तो यह न केवल द्विपक्षीय लाभ देगा, बल्कि एक नए क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन की नींव भी रख सकता है, जिसमें भारत एक निर्णायक भूमिका निभाएगा।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

पूर्व पीएम शेख हसीना की बढ़ी मुश्किलें, भ्रष्टाचार मामले में शुरू हुई सुनवाई

(एजेन्सी)।

बांग्लादेश। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी भतीजी अजमीना सिद्दीक और ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक सहित 17 अन्य लोगों के खिलाफ आवास भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर बुधवार को ढाका की एक अदालत में भ्रष्टाचार का मुकदमा शुरू हुआ। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) की सहायक निदेशक और मामले की शिकायतकर्ता अफनान जन्नत केया ने विशेष न्यायाधीश न्यायालय-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम के समक्ष गवाही दी।

इससे पहले, भ्रष्टाचार के एक अन्य मामले में शिकायतकर्ता और एसीसी के उप निदेशक मोहम्मद सलाहुद्दीन ने इसी अदालत में हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और ट्यूलिप सहित 17 आरोपियों के खिलाफ अपना बयान दिया। लंदन में रहने वाली सिद्दीक ब्रिटेन की राजधानी के हैम्पस्टेड और हाईगेट निर्वाचन क्षेत्र से सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के टिकट पर संसद चुनी गई थीं। उन्होंने इस वर्ष की शुरूआत में एसीसी की जांच और परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। ब्रिटिश राजनीतिज्ञ सिद्दीक ने आरोपों से इनकार किया है।

उन्होंने बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए एक सुनियोजित बदनाम करने वाला अभियान चलाने का आरोप लगाया है। बांग्ला अखबार प्रोथोम आलो की खबर के मुताबिक 11 अगस्त को भूखंट आवंटन में कथित भ्रष्टाचार के तीन अन्य मामलों में भी गवाहों का बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इन मामलों में भी हसीना, उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय और बेटी साइमा वाजेद पुतुल आरोपी हैं। भ्रष्टाचार रोधी निकाय ने 12 से 14 जनवरी के बीच हसीना, उनके परिवार के सदस्यों और 23 अन्य लोगों के खिलाफ पूर्वाचल न्यू टाउन परियोजना के तहत भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर छह मामले दर्ज किए थे। ट्यूलिप पर रेहाना, बॉबी और अजमीना के लिए भूखंड प्राप्त करने के वास्ते अपने प्रभाव का प्रयोग करने का आरोप है।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरूआती कारोबार में तेजी

(एजेन्सी)।

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरूआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 327.79 अंक चढ़कर 80,563.38 अंक पर और एनएसई निफ्टी 112.15 अंक की बढ़त के साथ 24,599.55 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो) और इन्फोसिस के शेयर में तेजी रही। मारुति, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक और बजाज फिनसर्व के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की 225 फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 66.16 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,398.80 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

संकटग्रस्त गाजा को मिली संजीवनी, इजराइल ने भेजे 320 सहायता ट्रक

(एजेन्सी)।

इजराइल के क्षेत्रीय सरकारी गतिविधियों के समन्वयक ने बताया कि मानवीय सहायता से लदे लगभग 320 ट्रक कल केरेम शालोम और ज़िकिम क्रॉसिंग के रास्ते गाजा में दाखिल हुए। संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता समूहों ने वितरण के लिए गाजा के अंदर से ये खेपें एकत्र कीं। COGAT ने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र के ईंधन के तीन टैंकर आवश्यक मानवीय प्रणालियों को ऊर्जा प्रदान करने के लिए पट्टी में दाखिल हुए और इसने गाजा में आने-जाने वाले सहायता कर्मियों के आवागमन का समन्वय किया। इससे पहले इजराइल की सेना द्वारा गाजा में किए गए हवाई हमले में अल जजीरा के एक संवाददाता और अन्य लोग मारे गए। इजराइल और गाजा शहर के अस्पताल अधिकारियों, दोनों ने अल-शरीफ और उनके साथियों की मौत की पुष्टि की। वहीं 'कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट' और अन्य ने इसे गाजा में युद्ध का दस्तावेजीकरण करने वालों के खिलाफ प्रतिशोध बताया। इजराइली सेना ने दावा किया कि अल-शरीफ हमास के एक प्रकोष्ठ का नेतृत्व कर रहे थे। हालांकि, यह एक ऐसा आरोप है जिसे अल जजीरा और अल-शरीफ ने पहले निराधार बताकर खारिज कर दिया था।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनका देश फलस्तीन को एक राष्ट्र के तौर पर मान्यता देगा। इसके साथ ही वह फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के नेताओं की कतार में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने संकेत दिया है कि वे भी ऐसा करेंगे। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब उनके मंत्रिमंडल के भीतर और ऑस्ट्रेलिया के कई हिस्सों से फलस्तीन को मान्यता देने की अपील की जा रही थी तथा गाजा में लोगों की पीड़ा और भुखमरी को लेकर आलोचना भी बढ़ रही थी। अल्बनीज ने गाजा के हालात को सोमवार को मानवीय तबाही बताया।

नियति जोशी उर्फ स्वर्णा गोयनका ने शो को हमेशा के लिए कहा अलविदा

(एजेन्सी)।

टेलीविजन अभिनेत्री नियति जोशी ने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' छोड़ दिया है। अभिनेत्री ने राजन शाही के शो में स्वर्णा का किरदार निभाया था। छह साल तक 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में काम करने के बाद, नियति ने आगे बढ़ने का फैसला किया। कुछ समय पहले, उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट लिखा था। इस नोट में अभिनेत्री ने लिखा था कि राजन शाही का प्रोडक्शन हाउस डीकेपी हमेशा उनका दूसरा घर रहेगा। उन्होंने अपने किरदार स्वर्णा को भावुक विदाई दी। हालाँकि, वह हमेशा यादों और खूबसूरत दोस्ती को संजोकर रखेंगी।

नियति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक लंबा नोट शेयर कर शो से बाहर होने की पुष्टि की। उन्होंने शो से जुड़ी अपनी यादें ताजा कीं और प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। उनके अचानक शो छोड़ने की खबर से प्रशंसकों को झटका लगा है, जिन्होंने सोशल मीडिया पर इस पर प्रतिक्रिया दी है। नियति ने लिखा "वे कहते हैं कि कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता। छह शानदार वर्षों के बाद, ये रिश्ता क्या कहलाता है में मेरे किरदार स्वर्णा को भावनात्मक विदाई देने का समय आ गया है, लेकिन अनगिनत यादें, खूबसूरत दोस्ती और इससे मुझे जो सम्मान और प्रशंसा मिली, वह जीवन भर रहेगी। डीकेपी हमेशा मेरा दूसरा घर रहेगा। किसी ऐसी चीज को अलविदा कहना आसान नहीं है जो मेरे दिल के करीब थी।

ये रिश्ता क्या कहलाता है, मुझे तुम्हारी याद आएगी। उन्होंने आगे कहा, "इन शानदार पलों के लिए मैं आप सभी की हमेशा आभारी रहूँगी। मेरे किरदार के प्रति अपार प्रेम दिखाने वाले सभी प्रशंसकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत धन्यवाद। जैसे ही मैं अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू कर रही हूँ, मैं एक बार फिर से एक नए व्यक्ति की तरह महसूस कर रही हूँ, सीखने और कुछ नया करने के लिए उत्सुक।" जैसे ही उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह पोस्ट शेयर किया, प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में अपनी निराशा व्यक्त की। वर्तमान में, समृद्धि शुक्ला और रोहित पुरोहित कलाकारों का नेतृत्व कर रहे हैं।

राजन शाही द्वारा निर्मित, ये रिश्ता क्या कहलाता है का पहला प्रीमियर 12 जनवरी, 2009 को हुआ था। यह शो अब तक टेलीविजन पर 16 वर्षों से सफलतापूर्वक चल रहा है। ये रिश्ता क्या कहलाता है के एपिसोड स्टार प्लस पर प्रसारित होते हैं और जियो हॉटस्टार पर डिजिटल रूप से स्ट्रीम किए जाते हैं।

डेवाल्ड ब्रेविस की लंबी छलांग, रोहित शर्मा को भी हुआ फायदा

(एजेन्सी)।

आईसीसी ने अपनी ताजा रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के 22 वर्षीय बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को तगड़ा फायदा हुआ है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में डेवाल्ड ब्रेविस ने सेंचुरी ठोकी थी। जिसके बाद रैंकिंग में उन्होंने 80 स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। उनके अलावा इस कड़ी में भारतीय वनडे कप्तान रोहित शर्मा को भी फायदा हुआ है। रोहित को बिना कोई मैच खेले एक स्थान का फायदा हुआ है। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को पछाड़ दिया है।

साउथ अफ्रीका के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने नाबाद 125 रन की पारी खेली और उनकी पारी के दम पर टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टी20 में 53 रन से हराया। डेवाल्ड के साथ ही 19 साल के क्वेन मफाका ने बेहतरीन गेंदबाजी की और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

ये टी20 इंटरनेशनल में डेवाल्ड का पहला शतक रहा जो ऑस्ट्रेलिया में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा टी20 इंटरनेशनल स्कोर भी है। उन्होंने शेन वॉटसन को पछाड़ा जिन्होंने 206 में सिडनी में भारत के खिलाफ नाबाद 124 रन बनाए थे। ब्रेविस टी20 में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज बने, साथ ही वह टी20 में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले और सबसे कम उम्र में शतक जड़ने वाले साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज भी बने।

इस पारी के बाद उन्होंने आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में 80 स्थानों की छलांग लगाई और वह 21वें पायदान पर पहुंच गए। इसके अलावा टिम डेविड ने आईसीसी रैंकिंग में 6 स्थानों की छलांग लगाई और वह 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ये उनके करियर का अब तक का सबसे सर्वश्रेष्ठ रेटिंगरहा। उनके साथी कैमरन ग्रीन ने भी 6 स्थानों की छलांग लगाई और वह इसी लिस्ट में 17वें स्थान पर पहुंचे, जबकि साउथ अफ्रीका के खिलाड़ी ट्रिस्टन स्टब्स ने 12 स्थान की छलांग लगाकर 27वां पायदान हासिल किया।

कगिसो रबाडा को 15 स्थान का फायदा और लुंगी एंगडी 14 स्थान ऊपर चढ़कर आईसीसी टी20 गेंदबाजों की लिस्ट में 50वें पायदान पर आ गए। वहीं आईसीसी वनडे रैंकिंग में रोहित शर्मा को एक स्थान का फायदा हुआ है और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में खराब प्रदर्शन की वजह से बाबर आजम को एक स्थान का घाटा हुआ है और वह तीसरे स्थान पर खिसक गए।

सुप्रीम कोर्ट ने कैंसिल की रेसलर सुशील कुमार की बेल, एक हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश

(एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और पहलवान सुशील कुमार की जमानत रद्द कर दी है। वे जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनखड़ की हत्या के मुख्य आरोपी हैं। न्यायमूर्ति संजय करोल और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने 4 मार्च को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत के फैसले को रद्द करते हुए सुशील कुमार को एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करने के लिए कहा है। ये आदेश सागर के पिता अशोक धनखड़ की याचिका पर आया, जिसमें उन्होंने हाईकोर्ट के जमानत के आदेश को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में अशोक धनखड़ की ओर से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ मृदुल पेश हुए, जबकि सुशील कुमार का पक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता महेशा जेठमलानी ने रखा।

इंद्री में हर घर तिरंगा रैली और 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स (निफा) और माई भारत करनाल की जिला युवा अधिकारी सुरमयी शर्मा के निदेर्शानुसार, निफा इंद्री महिला विंग अध्यक्ष व राज्य युवा अवार्डी नीरू देवी की अध्यक्षता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, इंद्री में हर घर तिरंगा रैली और एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्या वंदना चावला, जेआरसी काउंसलर, हिंदी प्राध्यापक सुरेंद्र कुमार, कर्ण सिंह (ज्योग्राफी), पूनम (रसायन विज्ञान), अंजू रानी (पीजीटी हिंदी) और सामाजिक कार्यकर्ता जगदीप कटारिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान प्रधानाचार्या वंदना चावला और प्राध्यापक सुरेंद्र कुमार ने 15 अगस्त तक हर घर की छत पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया।

नीरू देवी ने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है और इसका सम्मान करना हर भारतीय का कर्तव्य है। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि आजादी को सहेज कर रखना हमारी जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने पौधरोपण को शहीदों के सम्मान से जोड़ते हुए कहा कि पेड़-पौधों का हमारे जीवन में आदि काल से ही विशेष महत्व रहा है, लेकिन आधुनिक समय में इनकी कटाई बढ़ने से पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है। इससे बचने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए।

कार्यक्रम के तहत स्कूल के हर्बल पार्क में 11 पौधे लगाए गए। नीरू देवी ने उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण और देशभक्ति दोनों को जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

नशा मुक्त भारत अभियान को मिल रहा अब दिल्ली सरकार का पूरा सहयोग: रविन्द्र इंद्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में चल रहे नशा मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में अब दिल्ली सरकार के नशा मुक्त दिल्ली संकल्प का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। दिल्ली सरकार में पिछले 5 माह में नशामुक्ति को लेकर पहली बार गंभीर प्रयास हुए हैं, यह बात दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज ने नशा मुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूर्ण होने पर हुए आयोजन में कही।

केन्द्रीय विद्यालय, दिल्ली कैंट में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डा. वीरेंद्र कुमार और राज्य मंत्री बी एल वर्मा के दिल्ली सरकार को मिल रहे सहयोग के लिए आभार जताया। रविन्द्र इंद्राज ने छात्रों से वालंटियर बनकर

■ 'पहली बार दिल्ली में हो रहे नशा मुक्ति को लेकर गंभीर प्रयास'

नशामुक्त दिल्ली अभियान में अपना योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि युवा नशे से दूर रहेगा तो देश और प्रदेश भरपूर प्रगति करेंगे।

समाज कल्याण मंत्री ने राज्य में हुए प्रयासों कि जानकारी देते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में दिल्ली में पहली बार 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशामुक्ति दिवस पर भव्य आयोजन हुआ और व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।

दिल्ली के संवेदनशील 64 हॉट स्पॉट पर नुक्कड़ नाटकों और विशेष अभियान के माध्यम से भी लोगों को

जागरूक करने के लिए आयोजन हुए। रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि उन्होंने नशे के हॉटस्पॉट क्षेत्रों में बीट अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के लिए पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा है। जिससे नशे की बिक्री और उपलब्धता कम हो। साथ ही, पुलिस को चयनित डार्क स्पॉट्स की सूची साझा करने और वहां सघन निगरानी के निर्देश दिए गए हैं ताकि जागरूकता अभियानों को प्रभावी ढंग से चलाया जाए। साथ ही दिल्ली के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों से आग्रह किया गया है कि वे परिसर में नशा मुक्ति क्लब बनाएं और 'ड्रग फ्री कैम्पस' घोषित करें।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि जिले स्तर पर नशामुक्त अभियान की प्रगति की लगातार समीक्षा भी की जा रही है। अब तक उन्होंने 6 जिलों के डीएम एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, समाज कल्याण विभाग और इस क्षेत्र में कार्यरत एनजीओ के साथ बैठक की है, इस क्रम में सभी 11 जिलों में यह बैठक होगी।

रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व, जनसहयोग, मीडिया से जुड़े माध्यमों और विभागीय समन्वय के सामूहिक प्रयासों से नशामुक्त दिल्ली का संकल्प पूरा करेंगे।

125 यूनिट फ्री बिजली बिल की जानकारी को लेकर शिविर का आयोजन

एसबी संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत 125 यूनिट बिजली फ्री को लेकर चार पंचायतों में शिविर का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस योजना की जानकारी दी। योजना का लाभ जुलाई 2025 से मिलना शुरू हुआ है। उपभोक्ताओं को अगस्त 2025 125 यूनिट के बाद का बिजली बिल देना होगा। वहीं 125 यूनिट तक का बिजली बिल उपभोक्ताओं को नहीं लगेगा। मंसूरचक प्रखंड क्षेत्र में कुल चार स्थानों पर शिविर आयोजित किया गया। इनमें गणपतौल, बहरामपुर, मंसूरचक पंचायत भवन और प्रखंड कार्यालय मंसूरचक शामिल हैं। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए। बिजली विभाग जेई हर्ष कुमार मौर्य, प्रखंड विकास पदाधिकारी सुभाष कुमार, थानाध्यक्ष गोविंद कुमार पाण्डेय, अंचलाधिकारी सुजीत कुमार सुधन यादव, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, सुनील कुमार राय, सीडीपीओ महताब ग्यास, प्रमुख जलस देवी, मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष मो. इजहार अंसारी, अरमान कुरैशी, अमीनउद्दीन, मुखिया हीरा कुमारी, डॉ. दिनेश कुमार राय, धर्मवीर सिंह कुंदन, उप प्रमुख रंजीत महतो एवं सभी कर्मी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने श्री नांदेड़ साहिब के लिए 500 महिला सरपंचों और पंचों के पहले प्रतिनिधिमंडल को ले जा रही ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

■ पंजाब की अमन-शांति, प्रगति और खुशहाली के लिए अरदास करेंगी महिला सरपंच और पंच

एसबी संवाददाता

फतेहगढ़ साहिब। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 500 महिला सरपंचों और पंचों के पहले प्रतिनिधिमंडल को महाराष्ट्र ले जा रही ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह महिला सरपंच और पंच नांदेड़ में तख्त श्री हजूर साहिब के दर्शन करेंगी और महिला पंचायतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगी।

यहां रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य से 500 महिला सरपंचों और पंचों के प्रतिनिधिमंडल महिला पंचायतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए महाराष्ट्र जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिनिधिमंडल में अच्छा प्रदर्शन करने वाली पंचायतों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस दौरे का उद्देश्य पंजाब की महिला सरपंचों और पंचों को अन्य राज्यों से आए पंचायती प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श के माध्यम से नए अनुभव साझा करना है, ताकि गांवों का कायाकल्प करने के लिए नवीन उपायों को लागू किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायतें लोकतंत्र का आधार हैं और गांवों में स्कूलों, डिस्पेंसरियों, पशु चिकित्सालयों और अन्य जनकल्याणकारी कार्यों का प्रबंधन सीधे तौर पर पंचायतों की निगरानी में होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी ट्रेनिंग सरपंचों और पंचों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि गांवों के विकास कार्यों के लिए पंचायतों का सभी विभागों के साथ तालमेल होता है।

भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि इस दौरे से महिला पंचायती प्रतिनिधियों का आत्मविश्वास और बढ़ेगा और गांवों के विकास को नई दिशा मिलेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने

कहा कि नांदेड़ में तख्त श्री हजूर साहिब के दर्शन के लिए महिला सरपंचों और पंचों को राज्य सरकार की ओर से आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस की स्मृति में यह पहल की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि इन महिला सरपंचों और पंचों के आने-जाने और ठहरने का सारा खर्च सरकार वहन करेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पवित्र स्थल के दर्शन करवाने के लिए इस विशेष ट्रेन का इंतजाम किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पंजाबी के दिल में नांदेड़ साहिब के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान है और हर व्यक्ति के मन में जीवन में कम से कम एक बार दर्शन करने की इच्छा होती है। उन्होंने आगे कहा कि यह पंच-सरपंच महिला सशक्तिकरण की भावना का उदाहरण हैं और सरकार इनके योगदान का सम्मान करने के लिए इन्हें इस तीर्थ यात्रा के दर्शन के लिए ले जाना चाहती है। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि महिला सरपंच और पंच पंजाब और पंजाबियों के लिए शांति, प्रगति और खुशहाली की अरदास करेंगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

स्कूलों में वर्षा का पानी घुसने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

एसबी संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)। प्रखंड क्षेत्र में बारिश से कई जगह जलजमाव हो गया है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय दशरथपुर का कैंपस भी पानी में जलमग्न हो गया है। कमर भर पानी में छात्र छात्राओं के साथ शिक्षकों को भी आवाजाही में दिक्कतें का सामना करना पड़ता है। प्रधानाध्यापक अभय कुमार चौधरी ने बताया कि लगातार कई वर्षों से बारिश होते ही विद्यालय परिसर में जलजमाव हो जाता है। इससे बच्चों को आने-जाने में कठिनाई होती है।

इस समस्या के समाधान के लिए कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया। लेकिन अब तक कोई पहल नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई है।

स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए पंजाब हाई अलर्ट पर, सुरक्षा में बढ़ोतरी

■ पंजाब पुलिस ने राज्य में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए: स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के आदेशानुसार, आगामी स्वतंत्रता दिवस के शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए पंजाब पुलिस ने राज्यभर में सुरक्षा कड़ी कर दी है और सभी फील्ड यूनिटों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निदेर्शों के तहत, पुलिस टीमों ने राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों के संवेदनशील इलाकों में एक साथ फ्लैग मार्च किया, जिसके बाद सभी संवेदनशील स्थानों पर घेराबंदी और तलाशी मुहिम चलाई गई।

स्पेशल डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने बताया कि सीपी/एसएसपी की अगुवाई में पुलिस टीमों ने अपने-अपने जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य आम लोगों में विश्वास बढ़ाना और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए

पुलिसकर्मियों को तैयार करना था।

स्पेशल डीजीपी ने आगे बताया कि सीपी/एसएसपी को एसपी रैंक के अधिकारी की निगरानी में राज्यभर के भीड़-भाड़ वाले स्थानों–जैसे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार, शॉपिंग मॉल, सार्वजनिक पार्क आदि–में विशेष घेराबंदी और तलाशी अभियान (सी ए एस ओ) चलाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, हमने सभी पुलिसकर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि कार्रवाई के दौरान प्रत्येक व्यक्ति की तलाशी लेते समय उनके साथ मित्रतापूर्ण और विनम्र व्यवहार करें। इस तलाशी अभियान को सफल बनाने के लिए 1,500 से अधिक पुलिसकर्मियों वाली लगभग 250 पुलिस टीमों को तैनात किया गया, जिन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी के दौरान आम जनता को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित की। इसके अतिरिक्त, पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपनी घेराबंदी और तलाशी मुहिम को 165वें दिन भी जारी रखते हुए 374 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान 53 एफआईआर दर्ज कर 73 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही, 165 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 25,719 हो गई है। स्पेशल डीजीपी ने बताया कि छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 2.4 किलोग्राम हेरोइन और 42,800 रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई। उन्होंने बताया कि 73 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1,100 से अधिक पुलिसकर्मियों वाली 120 से ज्यादा पुलिस टीमों ने राज्यभर में छापेमारी की और दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान 406 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की। स्पेशल डीजीपी ने कहा कि राज्य सरकार ने नशों के खात्मे के लिए तीन-स्तरीय रणनीति–इंफोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ई डी पी)-लागू की है और डी-एडिक्शन के तहत आज पंजाब पुलिस ने 61 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास इलाज करवाने के लिए राजी किया है।

कारागार में अपराध निरोधक कमेटी करेगी फल वितरण

सचिन शर्मा इंतजार हुसैन मीडिया प्रभारी

संजना भारती संवाददाता

बदायूं। ज़िला अपराध निरोधक कमेटी की बुधवार को आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि यशस्वी प्रांतीय चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के निर्देशानुसार 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को ज़िला कारागार में बंदियों को फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

ये जानकारी देते हुए जिला सचिव एवं पदेन जेलवीक्षक मु० शमसुद्दीन शम्स ने बताया कि इस कार्यक्रम को मुहम्मद खिजर अहमद पूर्व प्रधानाचार्य, डॉ नेत्रपाल सिंह शैलानी, सी पी सिंह पूर्व प्रधानाचार्य, डॉ संजीव कुमार शाक्य, मीना सिंह, अहमद नबी उर्फ भाई भाई, संयुक्त रूप से संपन्न कराएंगे।

मोहिंदर भगत ने युद्ध स्मारकों के निर्माण और सैनिक विश्राम गृहों के नवीनीकरण की प्रगति की समीक्षा की

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए तेजी से कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने आज अधिकारियों से राज्य में युद्ध स्मारकों के निर्माण कार्यों और सैनिक विश्राम गृहों के नवीनीकरण की प्रगति की समीक्षा की। पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में रक्षा सेवाएं कल्याण विभाग और लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री मोहिंदर भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार स्वतंत्रता सेनानियों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान, लोक निर्माण विभाग की विशेष सचिव हरगुणजीत कौर ने मंत्री श्री मोहिंदर भगत को राज्य में युद्ध स्मारकों के निर्माण से संबंधित चल रही गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। मंत्री ने इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग को कार्य की गति और तेज करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर रक्षा सेवाएं विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर भुपिंदर सिंह ढिल्लों ने पिछले तीन महीनों की गतिविधियों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

हरियाणा में प्रजापति समाज को मिली नई पहचान और कानूनी मजबूती

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रजापति समाज से आह्वान किया कि वे अपनी पारंपरिक कला को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए उसे और सशक्त बनाएं। साथ ही, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाते हुए नई तकनीकों को अपनाकर एवं अपने उत्पादों की गुणवत्ता एवं आकर्षण बढ़ाकर बाजार की मांग के अनुरूप कार्य करते हुए आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री आज कुरुक्षेत्र में प्रजापति समाज के परिवारों को पात्रता प्रमाण पत्र वितरण हेतु आयोजित एक राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र सौंपे। यह कार्यक्रम प्रदेश के सभी 22 जिलों में एक साथ आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 1,00,000 परिवारों को भूमि पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। योजना के तहत लगभग 1,700 गांवों में प्रजापति समाज को मिट्टी खुदाई का सामूहिक अधिकार देने हेतु पात्रता प्रमाण पत्र जारी किए गए।

यह प्रमाण पत्र ग्राम शामलात भूमि नियमावली 1964 के अंतर्गत प्रदान किए

गए हैं। यह न केवल भूमि के उपयोग का अधिकार देते हैं, बल्कि प्रजापति समाज के लोगों को अपने कार्य को निर्बाध रूप से संचालित करने की कानूनी शक्ति भी प्रदान करते हैं। इन प्रमाण पत्रों के माध्यम से प्रजापति समाज के लोगों को अपनी कला को नई दिशा देने का अवसर मिलेगा, उनके सपनों को नए पंख लगेंगे और अब उन्हें अपने उत्पाद निर्माण के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि गत 13 जुलाई को भिवानी में आयोजित दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रजापति समाज को भूमि पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान करने का संकल्प लिया था, जिसे मात्र एक माह के भीतर पूरा किया गया है। यह राज्य सरकार की कार्यशैली का प्रमाण है, जिसमें कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है।

प्रजापति समाज को मेहनती, ईमानदार और हुनरमंद बताते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मिट्टी के बर्तन बनाने की कला हमारी सांस्कृतिक धरोहर रही है, किंतु समय के साथ इस हुनर को वह सम्मान और अवसर नहीं मिला, जिसका प्रजापति समाज हकदार था। नई पीढ़ी को इस कला से जोड़ने के लिए आवश्यक साधन समय पर उपलब्ध नहीं कराए गए।

उन्होंने कहा कि पहले प्रत्येक गांव में प्रजापति समाज के लिए मिट्टी लेने हेतु पर्याप्त भूमि उपलब्ध होती थी, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। कांग्रेस शासनकाल में तो प्रजापति समाज के कार्यस्थलों पर कब्जे तक कर लिए गए। इतना ही नहीं, उस समय सत्ता में बैठे लोगों ने प्रजापति समाज के खिलाफ षड्यंत्र रचकर उनका रोजगार छीनने का प्रयास किया। गांवों में 100-100 वर्ग गज के प्लॉट देने का दिखावटी वादा किया गया, और वे प्लॉट उसी भूमि पर काटे गए जहां प्रजापति समाज अपनी रोजी-रोटी कमाता था। ऐसी नीतियों के कारण इस समाज का रोजगार लगभग ठप हो गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास" के मंत्र को साकार करते हुए हरियाणा सरकार प्रदेश के प्रत्येक मेहनतकश समाज को सम्मान और प्रगति के अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार का उद्देश्य प्रजापति समाज को केवल भूमि उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि एक ऐसा इको-सिस्टम तैयार करना है, जहां प्रजापति समाज का हुनर और अधिक निखरे। जब कार्य का विस्तार होगा, तो रोजगार के अवसर भी स्वतः बढ़ेंगे।

फरीदकोट में बाल विवाह सफलतापूर्वक रोका, 16 वर्षीय बच्ची को बचाया: डॉ. बलजीत कौर

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, जिला बाल सुरक्षा यूनिट (डीसीपीयू) और अन्य हितधारकों ने गांव संग्राहूर (सादिक), जिला फरीदकोट में 16 वर्षीय लड़की का प्रस्तावित बाल विवाह सफलतापूर्वक रोक दिया। पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री, डॉ. बलजीत कौर ने अधिकारियों और हितधारकों द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि नाबालिगों के अधिकारों की रक्षा के लिए बाल सुरक्षा कानूनों का कड़ाई से लागू होना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि यह कार्रवाई किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत की गई। बच्ची को बचाकर बाल कल्याण कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां उसे परामर्श देने के बाद आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बच्ची को माता-पिता के हवाले उनके इस वायदे पर किया गया कि वे उसकी सुरक्षा, शिक्षा और समग्र भलाई को सुनिश्चित करेंगे। बच्ची के हितों की रक्षा के लिए नियमित निगरानी और फॉलो-अप जारी रहेगा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के जिला स्तरीय कार्यक्रम को लेकर हुई फाइनल रिहर्सल

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने फहराया ध्वज, ली परेड की सलामी

15 अगस्त को हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा करेंगे ध्वाजारोहण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। आगामी 15 अगस्त को पुलिस लाइन मैदान में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर बुधवार को फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल हुई। इसमें डीसी प्रीति के मार्गदर्शन में एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड का निरीक्षण किया और परेड की सलामी ली। स्कूली बच्चों ने पीटी शो, डंबल, लेजियम, योगा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दी। डीसी ने बताया कि 15 अगस्त को मुख्य समारोह में हरियाणा शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे।

जिला स्तरीय कार्यक्रम के अंतिम पूर्वाभ्यास में डीसी प्रीति, एसपी आस्था मोदी सहित जिले के आला अधिकारी निर्धारित समय पर पहुंचें। सबसे पहले एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने ध्वजारोहण किया। उसके बाद उन्होंने पुलिस के विशेष वाहन से एसपी आस्था मोदी के साथ परेड निरीक्षण किया गया। इसके बाद शानदार पुलिस सहित विभिन्न टुकड़ियों द्वारा मार्च पास्ट किया गया। एडीसी ने परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा योगा की प्रस्तुति दी। इसके बाद परेड हुई। जिसमें जिला पुलिस पुरुष व महिला की टुकड़ी, होम गार्ड की प्लाटून, एनसीसी विंग, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की एसपीसीसी, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की गर्ल्स गाइड, भीष्म ओपन स्काउट तथा प्रजातंत्र के प्रहरियों की प्लाटून ने सलामी मंच के आगे से गुजर कर शानदार मार्च पास्ट किया। समूची परेड का नेतृत्व डीएसपी ललित कुमार ने किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए किए गए अंतिम पूर्वाभ्यास के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में जवाहर नवोदय विद्यालय के बच्चों द्वारा समूह गान के अलावा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैथल व जाखौली अड्डा स्कूल, नर नारायण सेवा समिति द्वारा पढ़ाए जा रहे स्लम एरिया के बच्चों द्वारा, राधा कृष्ण पब्लिक स्कूल, सिल्वर ऑक पब्लिक स्कूल, आरकेएसडी पब्लिक स्कूल, सुपार्श्व जैन पब्लिक स्कूलों की टीमों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इसके साथ-साथ राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाखौली अड्डा व हॉली पथ स्कूल के दिव्यांग बच्चों द्वारा राष्ट्रीय गान की प्रस्तुति दी।

डीसी प्रीति ने विभिन्न स्कूलों की टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में दी जाने वाली सभी प्रस्तुतियां समारोह की गरिमा के अनुरूप हों। जो कुछ कमियां फाइनल अभ्यास में सामने आई हैं, उन्हें दूर करें। स्वतंत्रता दिवस समारोह हमारा राष्ट्रीय पर्व है, उसी गरिमा के अनुरूप हम सबको इसे मनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभाग से जुड़ी जिम्मेदारी को लेकर ड्यूटी लगाएं। डीसी ने डंबल, पीटी शो व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों का हौसला बढ़ाया और बेहतर ढंग से जिला स्तरीय समारोह में प्रस्तुति बारे निर्देशित किया।

इस अवसर पर एमडी शुगर मिल कृष्ण कुमार, एसडीएम अजय सिंह, सीटीएम गुरविंदर सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी विजय लक्ष्मी, खंड शिक्षा अधिकारी नरेश कुमार, रेडक्रॉस सचिव रामजी लाल सहित जिले के तमाम अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर

पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर नागरिकों को दी गई बधाई

संजना भारती संवाददाता

कैथल। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह जिला में कैथल पुलिस लाइन, कलायत व गुहला में धूमधाम से मनाया जा रहा है। एसपी आस्था मोदी द्वारा जिला के सभी नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि इस अवसर पर जिला व ग्रामीण स्तर तक के सभी कार्यक्रम निर्विघ्न संपन्न हो, इसके लिए पुलिस द्वारा व्यापक बंदोबस्त किए गए है। आमजन सहित वीआईपी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर है तथा इस अवसर पर आम लोगों के जान-माल की रक्षा हेतु अपराधी व असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए पुलिस की चप्पे-चप्पे पर पैनी निगाह है। जिसके लिए पुलिस द्वारा व्यापक तौर पर समुचित सुरक्षा प्रबंध किए गए है।

एसपी आस्था मोदी ने बताया कि सभी थाना प्रबंधकों द्वारा सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर अपने अपने अधिकार क्षेत्र में पडने वाले सभी होटल, लॉज, धर्मशाला सहित अन्य धार्मिक स्थानों आदि की जांच करते हुए वहां पर ठहरे हुए लोगों की जानकारी प्राप्त की जा रही है। इस दौरान पुलिस द्वारा होटल व धर्मशाला प्रबंधकों को उचित दिशा-निर्देश दिए गए है। पुलिस द्वारा होटल प्रबंधकों को किसी असामाजिक तत्व व संदिग्ध व्यक्ति के होटल में ठहरने पर पुलिस को तुरंत सूचित करने की हिदायत दी गई। एसपी ने बताया कि राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह का जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन पुलिस लाइन कैथल में किया जाएगा। इस समारोह में शानदार मार्च पास्ट की प्रस्तुति दी जाएगी, परेड का नेतृत्व डीएसपी ललित कुमार करेगें।

समारोह स्थल पर क्यू.आर.टी. स्ट्राईकिंग रिजर्व, लिफ्टिंग पार्टी, बंब डिस्पोजल सहित विभिन्न टीमें तैनात रहेगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के सुरक्षा के दृष्टिगत करीब 600 कर्मचारी-अधिकारी विभिन्न बिंदुओं पर ड्यूटी करेगें। शहर व समीपवर्ती क्षेत्र में विशेष बिंदुओं पर स्पेशल नाकाबंदी करके वाहनों की गहन से जांच की जा रही है। इस दौरान शहर क्षेत्र में राइडर भिन्न-भिन्न रुटों पर निरंतर गश्त करेंगे, जिनकी लावारिश गाडी, रिक्शा, मोटर साइकिल व अन्य वाहन तथा ताजी खुदी हुई मिट्टी पर पैनी नजर रहेगी।

एसपी ने आमजन से भी अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार, होटल, धर्मशाला आदि में ठहरने का पता चले या किसी भी लावारिस वस्तु की सूचना बिना किसी देरी के किसी भी माध्यम से पुलिस को दे। एसपी ने कहा कि समारोह को शांतिपूर्वक सम्पन्न करवाने में आमजन अपना सहयोग दें।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एसपी आस्था मोदी द्वारा कार्यक्रम की फाइनल रिहर्सल दौरान पुलिस कर्मचारियों व अधिकारियों को सतर्क होकर ड्यूटी करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा सभी को ड्यूटियों बारे बारीकी से समझाया गया। एसपी ने असामाजिक तत्वों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी गैर कानूनी हरकत को अंजाम देने की कोशिश भी न करे अन्यथा उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राजौंद में पार्षद और ठेकेदार के बीच समझौता

राजौंद में बंदर पकड़ने का अभियान फिर होगा शुरू

पार्षद जोनी राणा व दीपक राणा।

नैनवे प्राईवेट लिमिटेड मैनेजर मनदीप नैन।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद नगर में लंबे समय से खुंखार बंदरों के आतंक से परेशान नागरिकों के लिए राहत भरी खबर है। नगर पालिका राजौंद में पार्षद जोनी राणा, नागरिक दीपक राणा और बंदर पकड़ने वाली कंपनी नैनवे प्राईवेट लिमिटेड के बीच विवाद सुलझा लिया गया है। अब शीघ्र ही बंदर पकड़ने का अभियान दोबारा शुरू किया जाएगा।

विवाद का कारण: 10 जुलाई 2025 को नैनवे प्राईवेट लिमिटेड, जो नगरपालिका राजौंद के माध्यम से बंदर पकड़ने का कार्य कर रही थी, के मैनेजर मनदीप नैन और उनके तत्कालीन पार्टनर के साथ वार्ड नंबर 4 के पार्षद जोनी राणा व दीपक राणा के बीच बंदरों को अन्यत्र रिलीज /छोड़ने व पैसा मांगने के आरोप को लेकर विवाद हो गया था। दोनों पक्षों ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे। मामला बढ़ते-बढ़ते पुलिस थाना राजौंद और डीएसपी कलायत तक पहुंच गया था।

विवाद के चलते बंदर पकड़ने का कार्य ठप हो गया, जिससे नगर में बंदरों का आतंक और बढ़ गया। आए दिन बंदरों के काटने की घटनाएं सामने आने लगीं, जिससे लोगों में भय का माहौल था।

पंचायत में हुआ समझौता: 13 अगस्त 2025 को नगरपालिका राजौंद में आयोजित पंचायत में दोनों पक्षों ने आपसी विवाद सुलझाते हुए सामाजिक समझौता कर लिया। यह तय हुआ कि नैनवे प्राईवेट लिमिटेड बंदरों को छोड़ते समय नपा राजौंद पार्षदों या प्रतिनिधि को साथ लगेंगे। नैनवे प्राईवेट लिमिटेड मैनेजर ने स्विकार किया कि कम्पनी से किसी नागरिक ने पैसे की डिमांड कभी नहीं की और न कोई पैसा दिया गया। नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने बताया कि नगर के पार्षदों की मांग पर बंदर रीलीज करते समय पार्षद या प्रतिनिधि भेजने का आफिसियल पत्र जारी कर दिया जाएगा। सचिव ने दोनों पक्षों के बीच पंचायती समझौता होने पर संतोष जाहिर किया है। सार्वजनिक हित में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि भविष्य में भी नैनवे प्राईवेट लिमिटेड नगरपालिका के माध्यम से बंदर पकड़ने का कार्य जारी रखेगी और किसी भी पक्ष को इस पर कोई आपत्ति नहीं होगी।

दोनों पक्षों ने थाना राजौंद और उप-पुलिस अधीक्षक कलायत में दी गई अपनी-अपनी शिकायतें वापस लेने पर सहमति जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में आगे कोई कार्रवाई नहीं चाहते।

इस समझौते के बाद नगर में शीघ्र ही बंदर पकड़ने का अभियान शुरू होने की संभावना है, जिससे नागरिकों को लंबे समय से मिल रही परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है।

स्वतंत्रता दिवस की फुल ड्रैस रिहर्सल में डीसी उत्तम सिंह ने किया ध्वजारोहण

स्कूली छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत की अलग-अलग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

एसबी विशेष संवाददाता करनाल। करनाल की नई अनाज मंडी में बुधवार को स्वतंत्रता दिवस की फुल ड्रैस रिहर्सल हुई। डीसी उत्तम सिंह ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर ध्वजारोहण किया और परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान अलग-अलग स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। इस मौके पर एसपी गंगाराम पूनिया भी रहे।

डीसी उत्तम सिंह ने सर्वप्रथम शहीदी स्मारक पर पहुंचकर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इसके उपरांत वह नई अनाज मंडी पहुंचे। जहां उन्होंने ध्वजारोहण किया। इसके उपरांत उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। परेड कमांडर एएसपी कांची सिंघल आईपीएस के नेतृत्व में हरियाणा पुलिस के जवानों की प्लाटून, होमगार्ड, एनसीसी आर्मी विंग, स्काउट व गाईडस की टुकड़ियां मार्च करती हुए सलामी मंच के आगे से गुजरी। उपायुक्त ने परेड की सलामी ली।

इसके बाद स्कूली छात्रों ने पीटी शो का प्रदर्शन किया। समारोह में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। गुरूकुल नीलोखेड़ी के बच्चों का मलखम्ब तथा पार्थ पब्लिक स्कूल घरौंडा, डी.ए.वी स्कूल पुलिस लाईन, दयाल सिंह पब्लिक स्कूल, दून इंटरनेशनल स्कूल, डी.ए.वी. मधुबन स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा देश भक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। राजकीय स्कूलों की छात्राओं का हरियाणवी नृत्य पेश किया। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त को आयोजित किए जाने वाले समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्वतंत्रता दिवस पर हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ध्वजारोहण करेंगे। समारोह में मुख्य अतिथि विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित भी करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे समारोह में अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं। उन्होंने बताया कि जिला में उपमंडल स्तर पर भी स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा।

इस मौके पर एसडीएम अनुभव मेहता, सीटीएम मोनिका शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश ठुकराल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जनहित कार्यों में सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थाएं जिला प्रशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर कर रही है बेहतरीन कार्य: डीसी प्रीति

सामाजिक एवं स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर जिला प्रशासन द्वारा किया गया सम्मानित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि जिला कैथल की सभी सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक एवं स्वैच्छिक संस्थाएं सामाजिक, जनहित कार्यों एवं प्राकृतिक आपदाओं आदि से निपटने के लिए जिला प्रशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर बेहतरीन कार्य कर रही है। जिला प्रशासन कैथल इनका आभारी है। विभिन्न अभियानो मे जिला प्रशासन के साथ मिलकर बढचढ कर भाग लेती है।

डीसी प्रीति बुधवार ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में सामाजिक एवं स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के दृष्टिगत उन्हें सम्मानित करने के दौरान बोल रही थी। डीसी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओ द्वारा रक्तदान शिविर, गरीब एवं असहाय व्यक्तियों की मदद करना, नशा मुक्ति शिविर, टीबी के प्रति सजग रहना, स्वास्थ्य आदि शिविरों का आयोजन किया जाता है। जिला रेडक्रॉस सचिव रामजीलाल ने कहा कि जिला कैथल की सभी स्वैच्छिक सामाजिक संस्थाओं का सहयोग समय-समय पर जिला रेडक्रास सोसायटी कैथल को प्राप्त होता है, जिसके लिए सभी संस्थाए बधाई की पात्र है।

बुधवार को उत्कृष्ट कार्यों में सहयोग देने के लिए सम्मानित किए जाने वाली संस्थानों में सेवा संघ, श्री गीता भवन मन्दिर, पंजाबी सेवा सदन, लायन्स क्लब सैन्ट्रल, जीवन रक्षक दल, कैथल बाई साईकिल क्लब, राधा स्वामी सत्संग व्यास, श्री श्याम रसोई, श्री खाटू श्याम एवं सालासर सेवा समिति, सिरायकी परिवार, रोटरी क्लब, डेरा सच्चा सौदा शाखा कैथल, गुरू नानक रसोई, गुरुद्वारा नीम साहिब, बर्फानी सेवा मण्डल, नर नारायण सेवा समिति, ओम शांति ब्रहम कुमारी, अग्रवाल सभा, पंजाबी वेल्फेयर सभा, नोबल बल्ड बैंक, कैमिस्ट एसोसिएशन, गोपाल भटट, हरियाणा रक्तदान कमेटी सदस्य एवं समाजसेवी, अखिल भारतीय मानव सेवा समिति, हिन्दु महासंघ कैथल, रेल कल्याण समिति, नरेश ढुल एडवोकेट, कैथल राईस मिल्ज एसोसिएशन, सनातन धर्म मन्दिर एवं बाल उपवन आश्रम, होली पथ स्कूल, चाइल्ड वेल्फेयर कमेटी, माईल स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैथल, सन राईज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शिव शंकर सीनियर सेकेंडरी स्कूल कसान, डिफेंस पब्लिक स्कूल क्योडक, राधा कृष्णा सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैथल, ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल क्योड़क, एमडीएन स्कूल कलायत, माता गुजरी स्कूल खरकडा, बीपीआरसी स्कूल पाडला, एसडीएस पब्लिक स्कूल मानस, सन साइज स्कूल मघो माजरी, कवि राज शर्मा समाजसेवी, शिक्षा भारती स्कूल कलायत, राकेश कुमार लिपिक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, दीपक कुमार प्रवक्ता, राममेहर काजल प्रवक्ता को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर एडीसी दीपक बाबू लाल करवा, कैथल एसडीएम अजय कुमार, गुहला एसडीएम प्रमेश सिंह, कलायत एसडीएम अजय हुड्डा, जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश आदि मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जेसी महाविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का किया आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। जीवन चानन महिला महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में आजादी अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ रेखा शर्मा के निर्देशन में किया गया। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। जिसमें हमारा भी दायित्व बनता है कि हम भी उसमें अपना योगदान दें। राष्ट्र सेवा सबसे सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं के द्वारा बनाई गई रंगोली की सराहना की। छात्राओं के द्वारा जो रंगोली बनाई गई उसमें देशभक्ति की भावना झलक रही थी। हरा, सफेद और केसरिया रंगों से बनी रंगोली अपने तीनों रंगों की विशेषता को दर्शा रही हो। यह आयोजन महाविद्यालय की महत्वपूर्ण दिवस आयोजन कमेटी के अंतर्गत डॉ. हेमलता शर्मा की देखरेख में किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर के भाग लिया।

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान महक व सुकन्या की टीम ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान खुशी व उसकी टीम ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान अनुरूप, आशु व उसकी टीम ने प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉक्टर रेखा बंसल, डॉक्टर सिमरत पाल, सुषमा शर्मा, मनीषा फोगाट, केडी शर्मा, सपना आदि उपस्थित रहे।

करनाल में हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता अभियान, नागरिकों में देशभक्ति और सफाई का उत्साह चरम पर

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। स्वतंत्रता दिवस से पहले नगर निगम करनाल देशभक्ति और स्वच्छता को एक साथ जोड़ते हुए 'हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता' अभियान जोर-शोर से चला रहा है। आवासीय एवं शहरी मामले मंत्रालय के निर्देश पर शुरू हुआ यह अभियान 9 अगस्त से प्रारंभ होकर 15 अगस्त तक चलेगा। निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल तिरंगा फहराना नहीं, बल्कि नागरिकों में अपने घर, गली और मोहल्ले को स्वच्छ रखने की आदत को प्रोत्साहित करना भी है। यह एक ऐसा राष्ट्रव्यापी उत्सव है जो देश की एकता, गौरव और राष्ट्रीय जिम्मेदारी के संदेश को मजबूत करता है। अभियान के तहत शहर के विभिन्न इलाकों में स्वच्छता ड्राइव, डोर-टू-डोर कचरा पृथक्करण, तिरंगा यात्राएं, पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। बुधवार को मंगलपुर स्थित राजकीय विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने 'हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता' थीम पर आकर्षक पेंटिंग और रंगोलियां बनाईं। इसके बाद विद्यालय की ओर से राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई और गांववासियों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन शहरी टीम भी सक्रिय रूप से इस अभियान में जुटी है। टीम द्वारा विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर जन-जागरूकता गतिविधियां चलाई जा रही हैं। लोगों को कचरा अलग-अलग करने, सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने और तिरंगे के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। निगमायुक्त डॉ. शर्मा ने कहा कि यह पहल न केवल नागरिकों में देशभक्ति की भावना जगाती है, बल्कि स्वच्छ और सुंदर शहर के निर्माण में उनकी भूमिका को भी अहम बनाती है।

शहर के स्कूल और कॉलेज भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। विद्यार्थियों के साथ-साथ आम नागरिक भी अपने घरों और आस-पास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा रखने में योगदान दे रहे हैं। यह पहल करनाल को न केवल स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी बनाएगी, बल्कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।